कभी आंखों की महकती खुशबू तो कभी महके हुए से राज...

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशल स्पीकर

हिंदी फ़िल्मो और उनके गीतों की जब भी बात चलेगी तो एक शख्स की बात किये बिना बात अधूरी ही रहेगी. वो शख्स, जिसने हिंदी फिल्मों और फ़िल्मी गीतों को एक अलग रूहानी रंग दिया, वो शख्स जो एक तरफ तो आँखों की महकती खुशबू देखता है और दूसरी तरफ जिगर से बीड़ी जलाने की बात करता है, एक तरफ

आँखों में महके हुए से राज देखता है, दूसरी तरफ कहता है, गोली मार भेजे में ये भेजा शोर करता है.

जी हाँ , दोस्तों आप समझ ही गये होंगे, हम आज बात कर रहे है गुलज़ार साहब जिनका असली नाम सम्पूर्ण सिंह कालरा है की, जो एक बेहद मशहूर शायर, संजीदा फिल्मकार, मंझे हुए पटकथा एवं संवाद लेखक और एक बेहतरीन गीतकार हैं.

विमल राय की फ़िल्म बंदिनी के अत्यंत लोकप्रिय गीत मोरा गोरा अंग लई ले से गाने लिखने का आगाज़ करने वाले गुलज़ार साहब, हमने देखी हैं इन आँखों की महकती खुशबु से लेकर सपने में मिलती है कुड़ी मेरी और इस मोड़ से जाते हैं से लेकर चल छैंया छैंया और चप्पा चप्पा चरखा चले जैसे गीतों के साथ आज भी रूहानी गीतों का चरखा चलाये हुए हैं.

श्रेष्ठता और लोकप्रियता दोनों कसौटीयों पर खरा उतरने वाले गुलज़ार सिनेमा और साहित्य की दुनिया का वह नाम हैं, जिनकी पहचान उनकी अनूठी लेखन शैली, मानवीय संवेदनाओं और अद्भुत कल्पनाशक्ति से होती है। उन्होंने आपने फ़िल्मी गीतों में मुक्त छंद का बेहद खूबसूरत प्रयोग किया है और वे आपने गीतों से हमें भावनाओं के उन अनछुए पहलुओं से रूबरू कराते हैं जिन्हे हम सामान्य रूप से महसूस करने में असमर्थ होते हैं. उनकी शायरी और गीतों में उनकी और हमारी ज़िन्दगी भी बखूबी रची- बसी है और इनमें हमारे आस पास के माहौल से एक जज़्बाती रिश्ता होता है जिसमें सारी कायनात जुड़ी सी

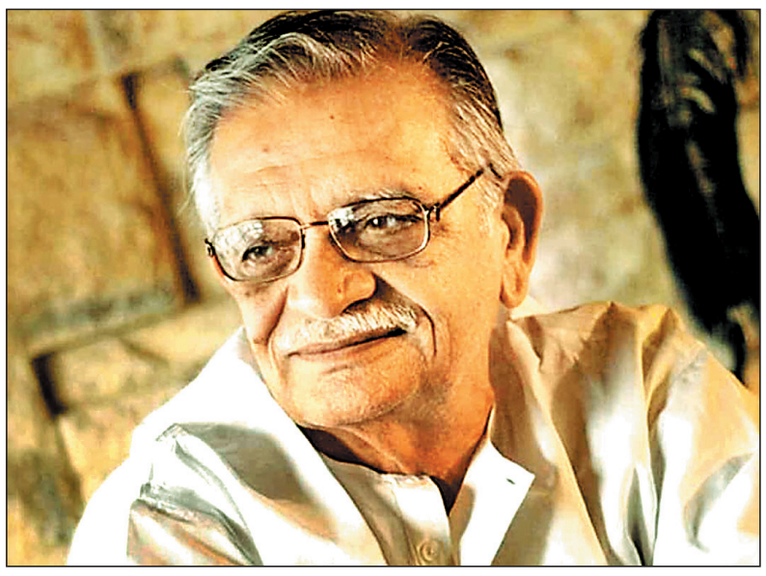

महसूस होती है. प्रसिद्ध लेखिका अमृता प्रीतम उनके बारे में लिखती हैं , गुलज़ार एक बहुत प्यारे शायर हैं जो अक्षरों के अंतराल में बसी खामोशी की अज़मत को जानते हैं,

उन्होंने जो लिखा हैं वो उस शायरी का दस्तावेज है जो बहुत सूक्ष्म तरंगों से बुनी जाती है, बहुत कम शायर होते हैं जो उनकी तरह रिश्तों के इतने डाइमेंशन को पा लेते हैं.

फिल्मों के लिए उनके रवायत से हटकर लिखे गये कोमल, सार्थक गीतों में एक रचनात्मक ताज़गी है, वे आज भी ताजी हवा की तरह महसूस होते है और इसी वजह से आज भी लोगों की ज़ुबान पर हैं और हर उम्र के श्रोताओं को गहराई से छूते हैं.

इस मोड़ से जाते हैं कुछ सुस्त कदम रस्ते ,तेरे बिना ज़िंदगी से कोई शिकवा तो नहीं दिल ढूँढता है फिर वही मुसाफिर हूं यारो, मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास, आजकल पाँव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे, कतरा कतरा, आने वाला कल जाने वाला है, नाम गुम जायेगा, आपकी आँखों में कुछ महके हुए से, रोज़ रोज़ आँखों तले, ऐ ज़िन्दगी गले लगा ले,तुझसे नाराज नहीं ज़िन्दगी, उड़ी उड़ी उड़ी%, कजरारे कजरारे जैसे अनगिनत अद्भुत संवेदनात्मक गीत उनके जैसा संवेदनशील और खानबादोश शायर ही लिख सकता है.

गुलज़ार सिर्फ कवि या गीतकार नहीं हैं उन्होंने कई सामान्य विषयों से हटकर अनूठे विषयों पर फ़िल्में बनाई हैं, सैंकड़ो अनूठे गीत लिखे हैं, कई यादगार फिल्मों के यादगार डायलॉग और पटकथायें भी लिखी हैं, मतलब उन्होंने जो भी काम किया है बेमिसाल किया है.

गुलज़ार साहब ने घिसी पिटी आम लीक से हटकर संवेदना और करुणा से ओतप्रोत, भावपूर्ण, अर्थपूर्ण, प्यारी फ़िल्में बनाईं. बतौर निर्देशक उनकी फिल्में %आंधी%, कोशिश, किताब, मेरे अपने, मीरा मौसम, अँगूर 'लेकिन, इजाज़त परिचय, खुशबु, लिबास, किनारा, माचिस% आदि आज भी अपने विशिष्ट विषयों और गहरी मानवीय संवेदनाओं के लिए याद की जाती हैं। उनके दूरदर्शन के लिए बनाए उम्दा सीरियल मिर्ज़ा ग़ालिब और किरदार भी खूब सराहे गए.

गुलज़ार साहब को साहित्य और सिनेमा में उनके योगदान के लिये पद्म भूषण, दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड,बीस बार फ़िल्मफ़ेयर और सात बार राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ ही ऑस्कर और ग्रैमी जैसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मान भी मिल चुके हैं।

.....आज के लिए इतना ही ,अगले हफ्ते फिर मुलाक़ात होगी.... चलते चलते गुलज़ार साहब का ये अवस्मरणीय गीत सुनिए और ज़िन्दगी के हर पल का लुत्फ़ लीजिये.....

आने वाला पल जाने वाला है,
हो सके तो इसमें ज़िन्दगी बिता लो,
पल ये जो जाने वाला है.

दर्शकों के दिलों पर राज किया राजकुमार ने

संवाद अदायगी के बेताज बादशाह कुलभूषण पंडित उर्फ राजकुमार का नाम फिल्म जगत की आकाश गंगा में ऐसे धुव्रतारे की तरह है,जिन्होंने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया.

राजकुमार का जन्म पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान प्रांत में आठ अक्तूबर 1926 को एक मध्यम वर्गीय कश्मीरी बाह्मण परिवार में हुआ था. स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद राजकुमार मुंबई के माहिम पुलिस स्टेशन में बतौर सब इंस्पेक्टर काम करने लगे. राजकुमार मुंबई के जिस थाने में कार्यरत थे वहां अक्सर फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों का आना-जाना लगा रहता था. एक बार पुलिस स्टेशन में फिल्म निर्माता कुछ जरूरी काम के लिए आए हुए थे और वह राजकुमार के बातचीत करने के अंदाज से काफी प्रभावित हुए. और उन्होंने राजकुमार से अपनी फिल्म 'शाही बाजार' में अभिनेता के रूप में काम करने की पेशकश की. राजकुमार सिपाही की बात सुनकर पहले ही अभिनेता बनने का मन बना चुके थे. इसलिए उन्होंने तुरंत ही अपनी सब इंस्पेक्टर की नौकरी से इस्तीफा दे दिया और निर्माता की पेशकश स्वीकार कर ली.

शाही बाजार को बनने में काफी समय लग गया और राजकुमार को अपना जीवनयापन करना भी मुश्किल हो गया. इसलिए उन्होंने वर्ष 1952 मे प्रदर्शित फिल्म 'रंगीली' में एक छोटी सी भूमिका स्वीकार कर ली. यह फिल्म सिनेमा घरों में कब लगी और कब चली गयी. यह पता ही नहीं चला. इस बीच उनकी फिल्म 'शाही बाजार' भी प्रदर्शित हुई. जो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी.शाही बाजार की असफलता के बाद राजकुमार के तमाम रिश्तेदार यह कहने लगे कि तुम्हारा चेहरा फिल्म के लिये उपयुक्त नहीं है. और कुछ लोग कहने लगे कि तुम खलनायक बन सकते हो. वर्ष 1952 से 1957 तक राजकुमार फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करते रहे.'रंगीली' के बाद उन्हें जो भी भूमिका मिली राजकुमार उसे स्वीकार करते चले गए. इस बीच उन्होंने 'अनमोल', 'सहारा', 'अवसर', 'घमंड', 'नीलमणि' और 'कृष्ण सुदामा' जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई.महबूब खान की वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म 'मदर इंडिया' में राजकुमार गांव के एक किसान की छोटी सी भूमिका में दिखाई दिए.

अमिताभ करेंगे फिल्म 120 बहादुर के लिए वॉइस ओवर

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, फरहान अख्तर की आने वाली फिल्म 120 बहादुर के लिए वॉइसओवर करेंगे.

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन ने अपने शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) का नया प्रोमो रिलीज किया है.अमिताभ बच्चन के जन्मदिन के खास एपिसोड के लिए जावेद अख्तर और फरहान अख्तर के साथ नया प्रोमो रिलीज किया गया है.

प्रोमो में जावेद और फरहान अख्तर अमिताभ बच्चन के साथ केबीसी के हॉट सीट पर नजर आते हैं, जहां वे अपने पुराने रिश्तों को याद करते हुए मजेदार बातें साझा कर रहे हैं. खास पल तब आता है जब अमिताभ बच्चन, फरहान अख्तर से उनकी आने वाली फिल्म 120 बहादुर के बारे में पूछते हैं. इसके बाद फरहान रिजांग ला की लड़ाई और वहां 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ लड़े बहादुर सैनिकों की कहानी बताते हैं. आखिर में, फरहान अमिताभ बच्चन से एक खास रिक्वेस्ट करते हैं कि वे उनकी फिल्म की ओपनिंग सीन को नरेट करें.वह कहते हैं, हमारी फिल्म की शुरुआत एक नैरेटर की आवाज़ से होती है, जो रिजांग ला की घटना को समझाती है. अगर आप हमारी फिल्म की शुरुआत के लिए नैरेटर बनें, तो यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी. इसपर अमिताभ बच्चन ने खुशी-खुशी हामी भर दी, जिससे यह एपिसोड का सबसे दिल छू लेने वाला पल बन गया. इस ईमानदार और इमोशनल बातचीत ने दर्शकों को 120 बहादुर का बेसब्री से इंतजार करने पर मजबूर कर दिया है.

रजनीश 'रैज़ी' घई द्वारा निर्देशित और रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) द्वारा निर्मित यह फिल्म एक एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन है और यह 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

पूजा भट्ट ने शेयर किया फिल्म 'तमन्ना' का पोस्टर

बॉलीवुड की 90 के दशक की चर्चित और बोल्ड एक्ट्रेस पूजा भट्ट फिलहाल फिल्मों से दूर हैं, लेकिन अपने ऑडियो पॉडकास्ट 'द पूजा भट्ट शो' के जरिए वे लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. हाल ही में पूजा ने सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी फिल्म 'तमन्ना' (1997) का पोस्टर शेयर कर फैंस के दिलों में पुरानी यादों को ताजा किया.

पोस्ट शेयर करते हुए पूजा ने लिखा कि तमन्ना का मेरा एक पसंदीदा गाना, निर्माता के तौर पर मेरी पहली फिल्म, अनु मलिक हमेशा हमें दिल से निकला संगीत देने के लिए शुक्रिया. फिल्म में

पूजा ने मनोज बाजपेयी, शरद कपूर और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया था. फिल्म में परेश रावल ने किन्नर का रोल निभाया, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने काफी सराहा.पूजा के पोस्ट पर फैंस ने भी उनकी पुरानी यादों को ताजा किया और उन्हें फिल्मों और वेब सीरीज में वापसी करने की सलाह देने लगे. एक यूजर ने लिखा कि पूजा और भी फिल्में और वेबसीरीज करो, हमें तुम्हें स्क्रीन पर देखने का इंतजार है. एक अन्य यूजर ने कहा कि हर फिल्म में आप बेहद प्यारी लगती हैं, आपकी पुरानी फिल्में दिल को छू जाती हैं.

बेटियों के रिश्ते भावनाओं को बहुत सादगी से दिखाया गया : शीज़ान

गंगा माई की बेटियां दर्शकों के दिल को छू रहा है. गंगा माई (शुभांगी लाटकर) की इस प्रेरक कहानी में सिद्ध का किरदार अहम है, जिसे शीज़ान खान ने निभाया है. वह बाहर से सख्त और डराने वाला है, लेकिन अंदर से बहुत भावुक और अपनी मां से जुड़ा हुआ इंसान है. शीज़ान बताते हैं कि मेरे लिए यह शो सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि ज़िंदगी की सच्चाई है. हिम्मत, सम्मान और रिश्ते, ये बातें हम सबकी ज़िंदगी में होती हैं. हमारे अपने लोग हमें जो भरोसा देते हैं, वही हमें मुश्किल वक्त में ताकत देता है. इस शो की सबसे खूबसूरत बात यही है कि एक मां और उसकी बेटियों के रिश्ते के ज़रिए इन भावनाओं को बहुत सादगी से दिखाया गया है. असल ज़िंदगी में भी कई औरतें ऐसी होती हैं जो बिना दिखावे के अपनी ताकत साबित करती हैं.वाराणसी सिर्फ एक जगह नहीं है, बल्कि खुद एक किरदार है. यह शहर अपनी गलियों, घाटों और गंगा नदी के साथ कहानी को असली बनाता है. गंगा माई की ज़िंदगी में जैसे उतार-चढ़ाव हैं, वैसे ही यह शहर हर दिन नई शुरुआत करता है.सिद्धू जैसा रोल मैंने पहले नहीं किया. वह बाहर से गुस्सैल और डराने वाला है, लेकिन अंदर से बहुत कोमल और अपनी मां से जुड़ा हुआ है. यही बात मुझे इस किरदार की ओर खींच लाई. उसकी दो अलग-अलग बातें, गुस्सा और मासूमियत, उसे बहुत दिलचस्प बनाती हैं.

गाथा शिव परिवार की : गणेश-कार्तिकेय

सोनी सब पर नए पौराणिक धारावाहिक गणेश कार्तिकेय का प्रसारण शुरू हो चुका है। इस धारावाहिक को दर्शकों ने पसंद किया है।गणेश कार्तिकेय में प्रसिद्ध कलाकार मोहित मलिक भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं, श्रेनु पारिख माँ पार्वती का रूप धारण करेंगी, जबकि गणेश और कार्तिकेय की भूमिकाएँ क्रमश: एकांश कठरोतिया और सुभान खान निभा रहे हैं. भारतीय संस्कृति में भगवान कार्तिकेय को युद्ध और विजय के देवता माना जाता है. वे भगवान शिव और माता पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र हैं. दक्षिण भारत में उन्हें मुरुगन, सुब्रमण्य और स्कंद नामों से पूजा जाता है. उनकी वीरता की सबसे प्रसिद्ध कथा तारकासुर के वध से जुड़ी है, जिसमें उन्होंने देवताओं को असुरों के आतंक से मुक्ति दिलाई थी.कार्तिकेय की छवि एक दिव्य योद्धा की है, जिनके हाथ में भाला (वेल) और वाहन मोर होता है. यह प्रतीक न केवल शक्ति का, बल्कि संतुलन और सौंदर्य का भी प्रतीक है.

अभिनेत्रियों ने बताया इस बार कैसे मना रही हैं वो अपना करवा चौथ !

प्यार, विश्वास और वैवाहिक बंधन की पवित्रता का प्रतीक खूबसूरत त्योहार करवाचौथ जल्द ही मनाया जाएगा. इस दिन विवाहित महिलाएँ सूर्योदय से लेकर चंद्रमा निकलने तक व्रत रखती हैं और अपने पति की लंबी उम्र व सुख-समृद्धि की कामना करती हैं. इस अवसर पर अभिनेत्रियोंसपना सिकरवार, ऊर्फ %हप्पू की उलटन पलटन% की बिमलेश कहती हैं, करवाचौथ हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है. शूटिंग चाहे कितनी भी व्यस्त क्यों न हो, मैं इस दिन के सभी रीति-रिवाज पूरे मन से निभाती हूँ. मेरी सुबह सरगी से शुरू होती है, जो मेरी सासू माँ प्यार से तैयार करती हैं. यह परंपरा मुझे उन सभी पीढ़ियों से जोड़ देती है जिन्होंने यह त्योहार मनाया है.विदिशा श्रीवास्तव, जोकि भाबीजी घर पर हैं में अनीता भाबी का किरदार निभा रहीं हैं, ने कहा, इस साल करवाचौथ मेरे लिए और भी खास है, क्योंकि लंबे समय बाद मेरे पति सायक मेरे साथ होंगे.

रोहिताश्व ने एक मज़ेदार अनुभव साझा किया

रोहिताश्व गौड़ ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है. हालांकि, उनकी सबसे अलग पहचान बनाने वाली भूमिका रही है एण्डटीवी के लोकप्रिय कॉमेडी शो भाबीजी घर पर हैं में निभाया गया किरदार मनमोहन तिवारी. इस किरदार ने उन्हें इतनी लोकप्रियता दिलाई है कि लोग अब भी उन्हें प्यार से तिवारी जी कहकर पुकारते हैं चाहे वो कैमरे के सामने हों या पीछे !हाल ही में अपनी नई फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग के दौरान, जहां वे वरुण धवन के पिता की भूमिका निभा रहे हैं, रोहिताश्व ने एक मज़ेदार अनुभव साझा किया. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, यह देखकर हमेशा अच्छा लगता है कि लोग भाबीजी घर पर हैं से कितना प्यार करते हैं. फिल्म के सेट पर भी सभी लोग क्रू से लेकर कास्ट तक मुझे %तिवारी जी% कहकर बुला रहे थे ! वरुण भी अक्सर मज़ाकिया अंदाज़ में मुझे इसी नाम से पुकारते थे. उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता, मशहूर निर्देशक डेविड धवन, भी यह शो देखते हैं और इसके हास्य और कलाकारों की परफॉर्मेंस की सराहना करते हैं.

हक में यामी गौतम का दमदार अभिनय

बॉलीवुड के प्रतिभाशाली कलाकार यामी गौतम और इमरान हाशमी की आगामी फिल्म 'हक' 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. यह फिल्म वरिष्ठ पत्रकार जिग्ना वोरा की मशहूर किताब 'बानो- भारत की बेटी' पर आधारित है. फिल्म एक सशक्त महिला की कहानी को पर्दे पर पेश करती है, जिसने अपने अधिकारों के लिए समाज और व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया.

जिग्ना वोरा ने बताया कि यामी गौतम और इमरान हाशमी ने फिल्म में अपने-अपने किरदारों को बखूबी निभाया है. उन्होंने कहा कि यामी गौतम और इमरान हाशमी दोनों ने अपनी भूमिकाओं को जीवंत कर दिया है. उनके अभिनय में सच्चाई और गहराई झलकती है. मुझे विश्वास है कि दर्शक फिल्म के हर पल से भावनात्मक रूप से जुड़ जाएंगे.

सयानी गुप्ता ने 5 साल में शुरू किया वॉयस ओवर

बॉलीवुड की एक्ट्रेस सयानी गुप्ता का जन्म 9 अक्टूबर 1985 को कोलकाता में हुआ था. सयानी गुप्ता आज अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं. आज वह सिर्फ बड़े पर्दे की ही नहीं, बल्कि वॉयस ओवर और ओटीटी की दुनिया में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं. बर्थडे स्पेशल में जानते हैं कि सयानी ने कैसे बचपन में ही अपने हुनर से सबका ध्यान खींचा.

सयानी ने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया से ग्रैजुएशन किया. उनके पिता ऑल इंडिया रेडियो में कार्यरत थे, जहां वे अनाउंसर, म्यूजिक कम्पोजर और सिंगर थे. अपने कई इंटरव्यू में सयानी बता चुकी हैं कि उनका ज्यादातर वक्त बचपन में ऑल इंडिया रेडियो में बीतता था.एक इंटरव्यू के अनुसार, सयानी ने पहला असाइनमेंट महज पांच साल की उम्र में किया था. उन्हें रेडियो विज्ञापन का काम मिला और इसके लिए 500 रुपये मेहनताना मिला. इसके बाद सयानी ने वॉयस ओवर असाइनमेंट्स लेना शुरू किया और आज भी इस फील्ड में उनका जलवा कायम है.

परेश की फिल्म 'द ताज स्टोरी' का टीज़र रिलीज़

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा प्रस्तुत फिल्म द ताज स्टोरी का टीज़र रिलीज़ हो गया है. फिल्म द ताज स्टोरी के लेखक और निर्देशक तुषार अमरीश गोयल हैं, इसमें दिग्गज अभिनेता परेश रावल मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे, जबकि फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेश्याम हैं.

टीज़र की शुरुआत एक प्रभावशाली दृश्य से होती है, जहां परेश रावल ताजमहल के सामने बैठे हैं. उनका व्यक्तित्व उस स्मारक जितना ही भव्य और गंभीर दिखाई दे रहा है और उसी दौरान परेश रावल की गूंजती आवाज़ सुनाई देती है, ताजमहल दुनिया के महानतम स्मारकों में से एक है. कुछ लोगों के लिए यह

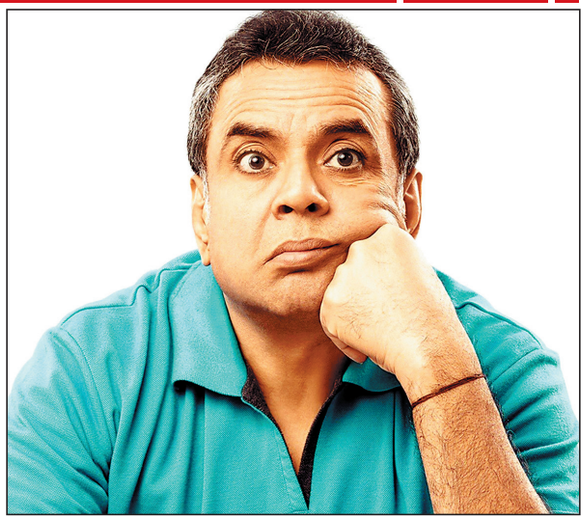

एक मकबरा हैज़ और कुछ के लिए यह एक मंदिर. परेश रावल के साथ इस फिल्म में ज़ाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे प्रतिभाशाली कलाकार नज़र आएंगे.द ताज स्टोरी सिनेमाघरों में 31 अक्टूबर को रिलीज़ होगी.